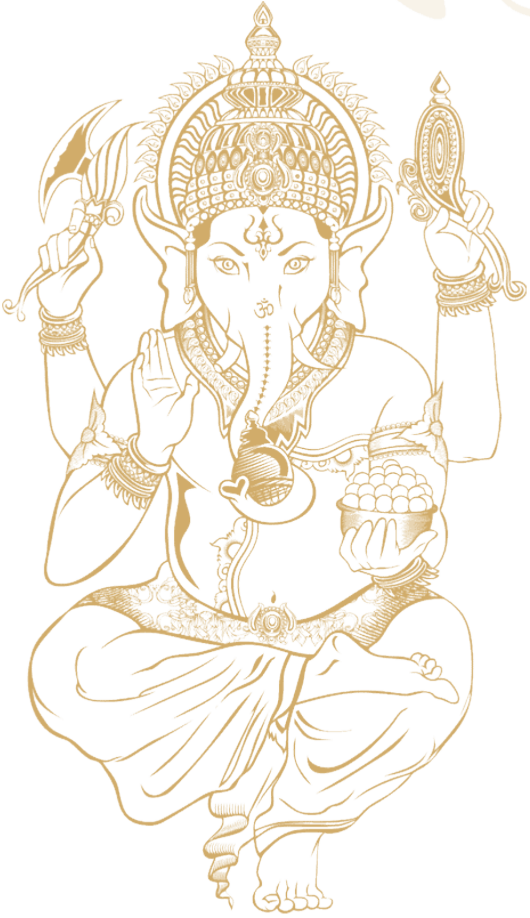

Mr.

18 Nov 2025

02:32 AM

Noida

Model: web-freekundliweb

Order No: 120197503

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**17-18/11/2025**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**02:32:00 घंटे**
इष्ट	49:27:53 घटी
स्थान	**Noida**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:40:00 उत्तर
रेखांश	77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:11:44 घंटे
वेलान्तर	00:15:04 घंटे
साम्पातिक काल	06:00:25 घंटे
सूर्योदय	06:44:50 घंटे
सूर्यास्त	17:25:39 घंटे
दिनमान	10:40:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	01:33:02 वृश्चिक
लग्न के अंश	05:52:22 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	आयुष्मान
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	री-रीतिका
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	05:52:22	318:03:39	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	01:33:02	01:00:31	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			तुला	05:25:59	11:53:32	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	सम राशि
मंगल		अ	वृश्चि	15:25:12	00:43:46	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	स्वराशि
बुध	व	अ	वृश्चि	07:24:41	01:14:25	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	सम राशि
गुरु	व		कर्क	00:52:09	00:01:14	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			तुला	19:29:18	01:15:20	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	मूलत्रिकोण
शनि	व		मीन	01:01:57	00:01:06	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	21:41:33	00:09:03	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	21:41:33	00:09:03	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	05:22:43	00:02:30	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	05:17:46	00:00:45	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:26:03	00:00:58	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			मिथु	05:52:36	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:10

लग्न-चलित

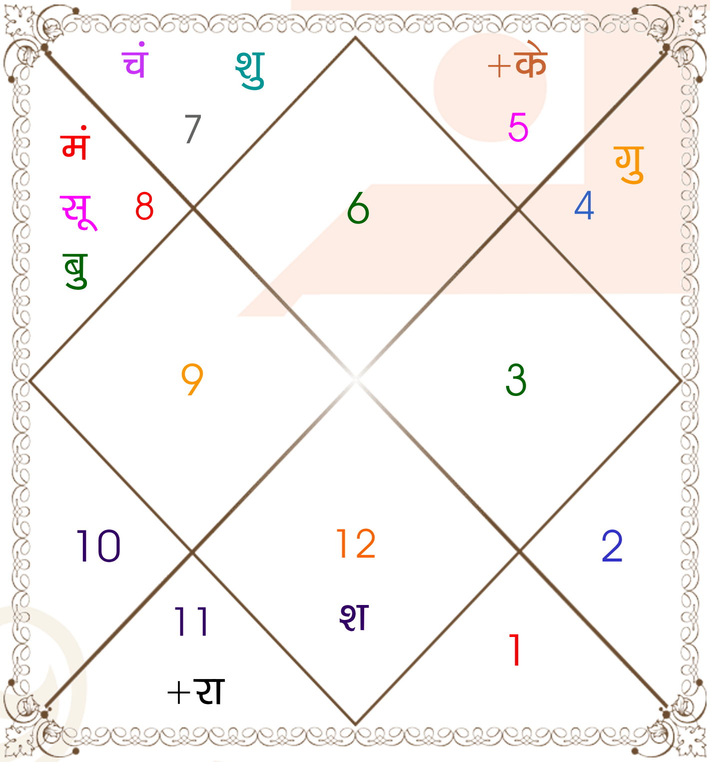

चन्द्र कुंडली

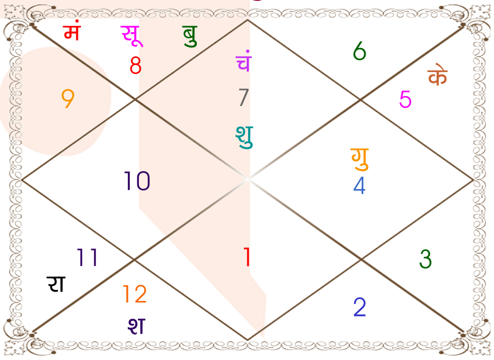

नवमांश कुंडली

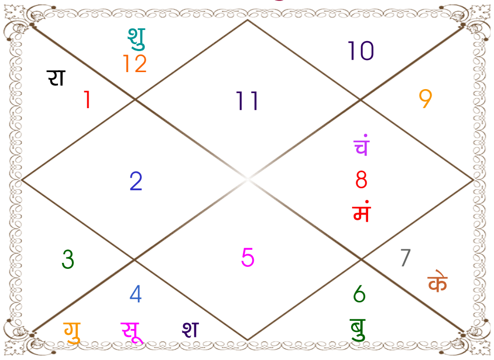

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 7 मास 23 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
18/11/2025		12/07/2026		12/07/2044		12/07/2060		12/07/2079	
12/07/2026		12/07/2044		12/07/2060		12/07/2079		12/07/2096	
	00/00/0000	राहु	24/03/2029	गुरु	30/08/2046	शनि	15/07/2063	बुध	08/12/2081
	00/00/0000	गुरु	18/08/2031	शनि	12/03/2049	बुध	25/03/2066	केतु	05/12/2082
	00/00/0000	शनि	24/06/2034	बुध	18/06/2051	केतु	03/05/2067	शुक्र	05/10/2085
	00/00/0000	बुध	10/01/2037	केतु	24/05/2052	शुक्र	03/07/2070	सूर्य	12/08/2086
	00/00/0000	केतु	29/01/2038	शुक्र	23/01/2055	सूर्य	15/06/2071	चंद्र	11/01/2088
	00/00/0000	शुक्र	29/01/2041	सूर्य	11/11/2055	चंद्र	13/01/2073	मंगल	07/01/2089
	18/11/2025	सूर्य	23/12/2041	चंद्र	12/03/2057	मंगल	22/02/2074	राहु	28/07/2091
सूर्य	11/12/2025	चंद्र	24/06/2043	मंगल	16/02/2058	राहु	29/12/2076	गुरु	02/11/2093
चंद्र	12/07/2026	मंगल	12/07/2044	राहु	12/07/2060	गुरु	12/07/2079	शनि	12/07/2096

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
12/07/2096		13/07/2103		13/07/2123		13/07/2129		13/07/2139	
13/07/2103		13/07/2123		13/07/2129		13/07/2139		00/00/0000	
केतु	08/12/2096	शुक्र	12/11/2106	सूर्य	31/10/2123	चंद्र	13/05/2130	मंगल	10/12/2139
शुक्र	07/02/2098	सूर्य	12/11/2107	चंद्र	01/05/2124	मंगल	12/12/2130	राहु	27/12/2140
सूर्य	15/06/2098	चंद्र	13/07/2109	मंगल	05/09/2124	राहु	12/06/2132	गुरु	03/12/2141
चंद्र	14/01/2099	मंगल	12/09/2110	राहु	31/07/2125	गुरु	12/10/2133	शनि	12/01/2143
मंगल	12/06/2099	राहु	12/09/2113	गुरु	19/05/2126	शनि	14/05/2135	बुध	09/01/2144
राहु	30/06/2100	गुरु	13/05/2116	शनि	01/05/2127	बुध	12/10/2136	केतु	06/06/2144
गुरु	06/06/2101	शनि	13/07/2119	बुध	07/03/2128	केतु	13/05/2137	शुक्र	06/08/2145
शनि	16/07/2102	बुध	13/05/2122	केतु	13/07/2128	शुक्र	12/01/2139	सूर्य	19/11/2145
बुध	13/07/2103	केतु	13/07/2123	शुक्र	13/07/2129	सूर्य	13/07/2139		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 7 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति में धन संग्रह किया जाये, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझती हैं। वास्तव में भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकती हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगीं। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगी। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत योनि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगी। आपको अपनी दुबले पतली शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगी। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत योनि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेंगे।

आप वणिक प्रवृति की प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगी। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगी। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगी। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगी।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि की प्राणी है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगी। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगी। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगी। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगी संभाल सकेंगी जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगी कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना,

अपने प्रेमी के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पति का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपके एक अच्छे पति एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगी। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपनी अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।